NEP push, reforms on lines of CBSE 'behind 90% Class XII pass results'

TRIBUNE NEWS SERVICE

DHARAMSALA, MAY 4

Rajesh Sharma, Chairman of the Himachal Pradesh Board of School Education, on Monday said that the Class XII exam pass results crossed the 90 per cent mark due to the adoption of the National Education Policy (NEP) and the reforms undertaken on the lines of the Central Board of Secondary Education.

"The focus was on bringing Himachal on a par with the national-level patterns, right from syllabus alignment to question design and teacher training," Sharma said and highlighted structured workshops for educators and targeted guidance for students as key drivers of the improved outcome.

The board introduced 20 per cent to 30 per cent multiple-choice questions (MCQs) this year, a calibrated step towards the NEP norms aimed at preparing students for competitive exams such as NEET, JEE and the UPSC Civil Services Examination. A new three-series question paper system with shuffled sections was also rolled out to ensure fairness and reduce the chances of copying. To maintain zero-tolerance to copying, the board detected 69 cheating cases through live monitoring and prompt community reporting.

Government school students made a strong mark on the merit list, underlining rising academic standards.

HP Board of School Education Chairman Dr Rajesh Sharma announces the Class XII results in Dharamsala on Monday. TRIBUNE PHOTO: KAMALJEET

Anish Kumar (99.2%)

Nitin Kumar (98.4%)

Sanchita (98.6%)

TOP FIVE (COMBINED MERIT LIST)

- **Rank 1:** Anshit Kumar (Arts), 99.2%, PM Shri Government Senior Secondary School, Bhawarna
- **Rank 2:** Shalya Kashyap (Science) 99%, The New Era School of Sciences, Chhatri (Jawali, Kangra); Arushi (Arts) 99%, Govt Senior Secondary Schoo, Kangar Dharyar (Sirmaur)
- **Rank 3:** Shamya Barjatya (Arts) 98.8%, Govt Model Senior Secondary School, Dari (Dharamsala)
- **Rank 4:** Sanchita Dhiman (Science) 98.6%, Gurukul Public School, Amb (Una); Kashi Sharma (Science) 98.6%; Aryan Public School; Gauri Sharma (Arts) 98.6%; Govt Senior Secondary School, Zakat Khana (Bilaspur)
- **Rank 5:** Prakriti (Arts) 98.4%, Govt Senior Secondary School, Hatgarh (Mandi); Tamanna Sharma (Science) 98.4%, Sunrise Public School; Nitin Kumar (Science) 98.4%, AVM School; Vaishali Thakur (Science) 98.4%, SD Public School, Santokhgarh (Una)

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

बोर्ड चेयरमैन ने टॉपर छात्रों को फोन कर दी बधाई

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा से बात कर फूले नहीं समाएं छात्र, अभिभावकों ने भी सराहे बोर्ड के प्रयास

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 4 मई : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 12वीं कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है, जिसमें इस बार 92 प्रतिशत से अधिक छात्र सफल रहे हैं। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस मौके पर एक नई पहल करते हुए पहली बार टॉपर छात्रों को खुद फोन कर बधाई दी। यह पहली बार है जब बोर्ड अध्यक्ष ने व्यक्तिगत रूप से मेरिट सूची में स्थान पाने वाले छात्रों से संपर्क कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने छात्रों की मेहनत की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस बार परीक्षा पैटर्न में बदलाव किया गया था। सभी सीरीज के प्रश्नपत्र एक समान रखे गए, जिससे हर छात्र को बराबर अवसर मिल सका। साथ ही ऑब्जेक्टिव प्रश्नों की संख्या बढ़ाई गई, जिसका सकारात्मक असर परिणाम पर देखने को मिला। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके अलावा परीक्षा के दौरान नकल पर पूरी तरह रोक लगाई गई, जिससे छात्रों ने बिना किसी दबाव के ईमानदारी से परीक्षा दी। बोर्ड अध्यक्ष ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में शिक्षा प्रणाली में जो कमियां हैं, उन्हें दूर करने के लिए और सुधार किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान छात्र अपनी मेहनत के दम पर मेरिट सूची में स्थान बनाकर अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

डा. राजेश शर्मा

Tue, 05 May 2026
epaper.dainiksaveratimes.in/c/79794345

शिक्षा का नया रोडमैप • बोर्ड परीक्षाओं में अब 30% तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न, तार्किक क्षमता पर रहेगा जोर

शिक्षा बोर्ड का नया विजन... रटने की प्रवृत्ति को छोड़ अब तार्किकता की ओर बढ़ेंगे हिमाचल के विद्यार्थी

शिमला| हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो कक्षा के वार्षिक परिणाम इस वर्ष न केवल सुखद रहे, बल्कि इन्हें 'ऐतिहासिक' कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस बार का कुल परिणाम 92.02 प्रतिशत रहा है, जो बोर्ड के इतिहास में पहली बार 90 प्रतिशत के आंकड़े को पार कर गया है। यह उपलब्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि उस सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण की जीत है जो हमने विद्यार्थियों को पेपर सेटिंग से लेकर परीक्षा केंद्र तक उपलब्ध करवाया। जब छात्र दबाव मुक्त होते हैं, तो उनकी प्रतिभा निखरकर सामने आती है। विशेष रूप से प्रथम तीन स्थानों पर सरकारी स्कूलों के बच्चों का आना शिक्षकों और अभिभावकों की अथक मेहनत का ही प्रतिफल है।

बोर्ड चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा।

यार्व और ईके बॉडी पैमानों पर भी मंथन चल रहा

इसके साथ ही रोम और ओसाका की आधुनिक शिक्षा प्रणाली जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों को भारतीय परिवेश में ढालने के लिए यार्व 'YARV' तकनीक और 'ईके बॉडी' जैसे आधुनिक पैमानों पर भी मंथन चल रहा है। हमारा उद्देश्य केवल परीक्षा लेना नहीं, बल्कि छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सक्षम बनाना है। इस नई व्यवस्था में सरकारी तंत्र को निजी क्षेत्र के अनुभवी शिक्षकों के ज्ञान का लाभ भी मिले, ऐसी योजना भी प्रक्रियाधीन है। शिक्षा में आधुनिकता का समावेश जारी रहेगा और शिक्षकों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बोर्ड समय-समय पर ''रिफ्रेश कोर्स'' भी आयोजित करता रहेगा ताकि हमारे शिक्षक भी बदलते वैश्विक परिवेश के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें।

हालांकि, इन शानदार परिणामों के बीच हमें यह भी समझना होगा कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए अब केवल पारंपरिक ढर्रे पर शिक्षा देना पर्याप्त नहीं है। हमें रटकर अंक प्राप्त करने की संस्कृति को बदलकर छात्रों की तार्किक और विश्लेषणात्मक क्षमता को विकसित करना होगा। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए बोर्ड अब सीबीएसई की नई मूल्यांकन नीति और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पैटर्न को पूरी तरह अपनाने की तैयारी में है।

आगामी सत्रों में हम परीक्षाओं के स्वरूप में बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण 'ऑब्जेक्टिव आइटम' यानी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को शामिल करना है। हमारा प्रस्ताव है कि कुल मूल्यांकन में 20 से 30 प्रतिशत तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न रखे जाएं। **-जैसा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने संवाददाता प्रेम सूद को बताया।**

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड का जमा-2 का परीक्षा परिणाम 92.02 प्रतिशत

मैरिट में सरकारी स्कूलों के 60 विद्यार्थी

धर्मशाला, 4 मई (सुनील समियाल): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को जमा-2 की वार्षिक परीक्षा परिणाम में **बोर्ड** द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 121 टॉपर्स में से 60 मेधावी सरकारी स्कूलों से हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों के 61 छात्र इस सूची में जगह बना पाए हैं। यह मामूली अंतर दर्शाता है कि अब सरकारी स्कूल शिक्षा के स्तर में निजी संस्थानों के बराबर खड़े हो गए हैं। **शिक्षा** बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि इस बार परीक्षा का परिणाम 92.02 फीसदी रहा है। कोरोना काल के समय को छोड़ दें, तो प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार है जब सामान्य परिस्थितियों में परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत के स्तर को पार कर 92.02 फीसदी तक पहुंचा है। उन्होंने बताया कि परीक्षा परिणाम पूरी तरह से डिजिटल माध्यम से उपलब्ध है। विद्यार्थी बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट पर रोल नंबर डालकर अपना स्कोर कार्ड देख सकेंगे।

ओवरआल मैरिट लिस्ट में कांगड़ा के पी.एम.श्री सरकारी वरिष्ठ स्कूल भवारना के अंशित कुमार ने 496 अंक लेकर टॉप किया है, वहीं दूसरे स्थान पर 2 विद्यार्थियों ने मैरिट में अपना स्थान बनाया है, जिसमे कांगड़ा की द न्यू एरा स्कूल ऑफ साइंस छतड़ी की छात्रा सायला कश्यप व सिरमौर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंगेर धरयार स्कूल की आरूषि ने 495 अंक लेकर दूसरा स्थान पाया। इसके साथ ही तीसरे स्थान पर जिला कांगड़ा के गवर्नमैंट मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल दाड़ी की शाम्या बड़जात्या ने 494 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि जमा-2 की परीक्षा में 81,417 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमे 74,637 परीक्षार्थी पास हुए, वहीं 3,071 को कम्पार्टमैंट आई है। 2025 में जमा-2 का परीक्षा परिणाम 83.16 प्रतिशत रहा था, पिछले साल के मुकाबले इस साल 9 प्रतिशत परीक्षा परिणाम में बढ़ौतरी हुई है।

री-चैकिंग व रिवैल्यूशन के लिए 19 मई तक आवेदन

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि परिणाम घोषित होने के बाद जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे रिवैल्यूशन और री-चैकिंग के लिए आवेदन कर सकते हैं। री-चैकिंग के लिए प्रति विषय 800 रुपए और रिवैल्यूशन 1000 प्रतिविषय देकर करवा पाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 मई तक छात्र री-चैकिंग व रिवैल्यूशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने दी मेधावियों को बधाई

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 12वीं कक्षा के उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों पर विद्यार्थियों को दी बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम और पढ़ाई के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का कोई छोटा मार्ग नहीं होता और इसे केवल अटूट समर्पण, ईमानदारी और निष्ठा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

अंशित का सपना आई.ए.एस. बनना

सुलह (वर्मा): 12वीं कक्षा के घोषित परिणाम में कांगड़ा जिले के सुलह क्षेत्र के पी.एम. श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भवारना के छात्र अंशित कुमार ने 496 अंक लेकर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। गुग्गा सलोह गांव निवासी अंशित के पिता लवेश कुमार निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि माता निशा कुमारी गृहिणी हैं। अंशित ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए बताया कि उसका सपना आई.ए.एस. अधिकारी बनकर देश सेवा करना है।

डाक्टर बनना चाहती है शायला

कांगड़ा (कालड़ा): द न्यू एरा स्कूल छतड़ी की छात्रा शायला कश्यप ने 495 अंक लेकर विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान व ओवरआल मैरिट लिस्ट में दूसरा हासिल किया है। शायला के पिता राहुल कुमार एक दुकान पर सेल्समैन का कार्य करते हैं और औरमाता कुशल गृहिणी हैं और घर पर ही कपड़े सिलने का कार्य करती हैं। शायला ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अध्यापकों एवं अपने माता-पिता और दादी को दिया है। शायला नीट की परीक्षा पास करके डाक्टर बनकर समाज सेवा करना चाहती है।

किसान की बेटी आरुषि दूसरे स्थान पर

सराहां (सिरमौर) (नि.स.): पच्छाद विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कांगर धरियार की छात्रा आरुषि ने आर्ट्स संकाय में 99 प्रतिशत अंक हासिल कर न केवल अपने संकाय में, बल्कि ओवरआल मैरिट सूची में भी दूसरा स्थान प्राप्त किया है। आरुषि के पिता नीरज कुमार किसान हैं, जबकि माता सुमन गृहिणी है। पिता ने बताया कि आरुषि पढ़ाई के साथ-साथ खेतों से लेकर घरेलू जिम्मेदारियों तक माता-पिता का हाथ बंटाती थी। आरुषि ने बताया कि वे प्रशासनिक अधिकारी बनकर देश सेवा करना उसका लक्ष्य है।

अभी से यू.पी.एस.सी. की तैयारी : शाम्या

धर्मशाला (प्रियंका): आर्ट्स संकाय में दाड़ी स्थित राजकीय मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल की छात्रा शाम्या बड़जात्या ने 500 में से 494 अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। शाम्या का सपना आई.ए.एस. अधिकारी बनकर देश सेवा करना है और उन्होंने इसके लिए अभी से यू.पी.एस.सी. की तैयारी शुरू कर दी है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने माता-पिता और स्कूल प्रिंसीपल डा. भुवन शर्मा को दिया है।

Dainik Jagran 05-05-2026

गुणात्मक सुधार का दिखा असर, सरकारी स्कूलों का मेरिट में दबदबा

- हिमाचल सरकार ने कहा, गुणात्मक सुधार का दिखा असर
- हर स्कूल की बनेगी रिपोर्ट, खराब रिजल्ट पर गिरेगी गाज

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : शिक्षा में गुणात्मक सुधार की दिशा में आगे बढ़ रही राज्य सरकार के लिए सोमवार का दिन सुखद रहा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में मेरिट सूची में इस बार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का दबदबा रहा है।

मेरिट में 76 में से 42 सरकारी और 34 निजी स्कूलों के विद्यार्थी शामिल हैं। साढ़े तीन वर्ष में राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक सुधार के लिए कई सख्त कदम उठाए हैं। खराब परीक्षा परिणाम पर इंक्रीमेंट रोकना, पदोन्नति से वंचित करना, कम विद्यार्थियों वाले स्कूलों को बंद करना, काम्प्लेक्स प्रणाली, शिक्षकों को एक्सपोजर विजिट पर विदेश भेजना जैसे कई निर्णय लिए गए हैं। वर्ष 2024 में मेरिट में 41 विद्यार्थी थे, जिनमें 10 सरकारी व 31 निजी स्कूलों के थे। वर्ष 2025 में मेरिट में 75 विद्यार्थी थे, जिनमें 40 सरकारी व 35 निजी स्कूलों के रहे। कला में सरकारी और विज्ञान संकाय में निजी स्कूल आगे रहते हैं।

परीक्षा परिणाम का अब विभाग मूल्यांकन करेगा। स्कूल और विषयवार आकलन तैयार किया जाएगा। किस स्कूल में किस विषय में कितने बच्चे मेरिट में पास हुए, किन विषयों का रिजल्ट 25 प्रतिशत से कम रहा, कितने बच्चे फेल हुए। 25 प्रतिशत से कम रिजल्ट वाले शिक्षकों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में विपरीत एंट्री करने का प्रविधान विभाग ने किया है। इनकी वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने और पदोन्नति से वंचित करने जैसे सख्त कदम विभाग ने पिछले साल उठाए थे।

शिक्षा मंत्री ने की सराहना

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने छात्र-छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए शिक्षक बधाई के पात्र हैं। गुणात्मक सुधार की दिशा में जो प्रयास किए जा रहे हैं, यह परीक्षा परिणाम उसका उदाहरण है।

रोहित ठाकुर • जागरण आर्काइव

ये कार्य भी किए हिमाचल ने

शिक्षा विभाग ने कम छात्र नामांकन वाले स्कूलों का विलय, शिक्षण स्टाफ का युक्तीकरण, रिक्त पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाना और सभी विधानसभा क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों की स्थापना करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके साथ ही, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई शुरू करवा दी गई है।

Divya Himachal 05-05-2026

92.02 फीसदी रहा जमा दो का परीक्षा परिणाम, बेटियों की फिर बल्ले-बल्ले

पिछले वर्ष से नौ फीसदी अधिक रहा रिजल्ट; तीनों संकायों में 121 छात्र टॉप-10 में, मेरिट में छाए सरकारी स्कूल

स्टाफ रिपोर्टर – धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला का सोमवार को जारी जमा दो का परीक्षा परिणाम 92.02 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब नौ प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष भी तीनों संकाय आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स का परिणाम एक साथ जारी किया गया। इस बार परीक्षा में 81417 में से 81109 परीक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 74637 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। 3071 छात्रों को

92.02 फीसदी रहा : पृष्ठ आठ पर

डाक्टर बनना चाहती हैं साइंस टॉपर शायला

शाहपुर। द न्यू एरा स्कूल छतड़ी की छात्रा शायला कश्यप 495 अंक लेकर विज्ञान संकाय की टॉपर रही हैं। शायला के पिता राहुल कुमार सेल्समेन और माता कुशल गृहिणी हैं। शायला ने सफलता का श्रेय अध्यापकों एव अपने माता-पिता और दादी को दिया है। शायला डॉक्टर बनकर समाज सेवा करना चाहती है।

सिविल सर्विसेज में जाएंगी आर्ट्स टॉपर अंशित

भवारना। पीएमश्री राव्माप्रा भवारना के छात्र अंशित कुमार ने 500 में से 496 अंक प्राप्त कर कला संकाय में पूरे प्रदेश में टॉप किया है। अंशित ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों और माता-पिता को दिया है। अंकित का सपना सिविल सर्विसेज में जाकर देश की सेवा करना है।

कॉमर्स टॉपर अयान की तमन्ना कंपनी सेक्रेटरी बनना

पाहड़ा, पालमपुर। एवीएम स्कूल पहाड़ा के अयान पुत्र ने 491 अंक (98.02) लेकर कॉमर्स संकाय में प्रदेश में संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है। अयान के पिता अजय कुमार बस परिचालक हैं, वहीं माता गृहिणी है। अयान आगे चलकर कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहते हैं।

यशस्विनी चौहान का सपना सीए बनना

गगरेट। जमा दो (कॉमर्स) में सेंट डीआर स्कूल गगरेट की यशस्विनी चौहान 500 में से 491 अंक प्राप्त कर प्रदेश भर में संयुक्त टॉपर रही है। यशस्विनी के पिता नीरज चौहान और माता अंजना रानी अपनी बेटी की इतनी बड़ी सफलता पर फूले नहीं समा रहे हैं। यशस्विनी चौहान का सपना सीए बनने का है।

कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहती हैं कृषिका

गगरेट। सेंट डीआर पब्लिक स्कूल गगरेट की छात्रा कृषिका ने 500 में से 491 अंक प्राप्त कर कॉमर्स संकाय में प्रदेश भर में संयुक्त रूप से टॉप किया है। कृषिका के पिता अजय कुमार निजी क्षेत्र में कार्यरत हैं, जबकि माता ममता चंदेल एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। कृषिका कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहती है।

उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों पर विद्यार्थियों को बधाई

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला द्वारा घोषित 12वीं कक्षा की परीक्षा मे सफल हुए सभी विद्यार्थियों को बधाई दी है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम और पढ़ाई के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, शिक्षकों और शुभचिंतकों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया। मुख्यमंत्री ने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई छोटा मार्ग नहीं होता और इसे केवल अटूट समर्पण, ईमानदारी और निष्ठा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

Dainik Jagran 05-05-2026

हिमाचल में कारपेंटर का बेटा अंशित बना ओवरआल टापर

जमा दो का परिणाम • विज्ञान में शायला कश्यप व वाणिज्य में यशस्विनी, कृषिका और अयान रहे प्रथम

नीरज व्यास • जागरण

धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को मार्च 2026 में संचालित जमा दो कक्षा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। बेटियों का शानदार प्रदर्शन जारी रहा है। परीक्षा परिणाम 92.02 प्रतिशत रहा और यह पिछले वर्ष के मुकाबले 8.86 प्रतिशत अधिक है। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भवारना का छात्र अंशित ओवरआल मेरिट सूची में प्रदेशभर में पहले स्थान पर रहा। अंशित के पिता कारपेंटर हैं व माता गृहिणी हैं। द न्यू ईरा स्कूल आफ साइंसिज छतड़ी (कांगड़ा) की शायला कश्यप व राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगर धरयार (सिरमौर) की आरुषि दूसरे और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़ी (धर्मशाला) की शाम्या बड़जात्या तीसरे स्थान पर रही। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि 81,109 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी और 74,637 पास हुए हैं। 3071 की कंपार्टमेंट है व 3352 परीक्षार्थी अनुत्तीर्ण हुए हैं।

ओवरआल मेरिट सूची में 76 विद्यार्थी शामिल हैं। 60 स्थानों पर बेटियां और 16 पर छात्र रहे हैं। मेरिट में निजी स्कूल के 34 तो सरकारी स्कूल के 42 विद्यार्थियों ने कब्जा जमाया है। विज्ञान संकाय की मेरिट सूची में 49, वाणिज्य संकाय में 36 व कला संकाय में 36 मेधावी शामिल हैं। विज्ञान संकाय की मेरिट सूची में नौ स्थान सरकारी व 40 पर निजी स्कूलों के बच्चों ने जगह बनाई है। वाणिज्य संकाय के 36 स्थानों में से 21 सरकारी व 15 पर निजी स्कूलों के विद्यार्थी काबिज हुए हैं। कला संकाय के कुल 36 स्थानों में से 31 पर सरकारी स्कूल व पांच पर निजी स्कूल के विद्यार्थी काबिज हुए हैं।

(बायें से) पहले स्थान पर रहे अंशित, दूसरे स्थान रही आरुषि शर्मा व शायला कश्यप और तीसरे स्थान पर रही शाम्या बड़जात्या।

ओवरआल मेरिट में जिला कांगड़ा बना सिरमौर

- 76 की मेरिट में 19 पर कांगड़ा, 14 के साथ ऊना दूसरे व 11 स्थान लेकर मंडी रहा तृतीय
- तीनों संकाय की मेरिट सूची के 121 स्थानों में से कांगड़ा ने हासिल किए 33 स्थान

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित जमा दो के वार्षिक परीक्षा परिणाम में जिला कांगड़ा ने ओवरआल 76 मेधावियों की मेरिट सूची में 19 स्थानों पर कब्जा जमाया है। 14 स्थानों के साथ ऊना दूसरे और मंडी 11 स्थानों के साथ तीसरे स्थान पर रहा है।

तीनों संकायों की मेरिट सूची में भी कांगड़ा ने श्रेष्ठता साबित की है। कांगड़ा के विद्यार्थियों ने 121 स्थानों में से 33 पर जगह बनाई है। ऊना ने 24 स्थानों के साथ दूसरा और मंडी ने 15 के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा हमीरपुर ने 12, सोलन और बिलासपुर ने 9, जबकि शिमला, कुल्लू और चंबा ने 5-5 और सिरमौर के छात्रों ने 4 स्थानों पर मेरिट हासिल की है। विज्ञान संकाय में 49 स्थानों में से कांगड़ा ने 12 प्राप्त किए, जबकि ऊना ने नौ और बिलासपुर तथा हमीरपुर ने 7-7 स्थान हासिल किए। मंडी ने छह, सोलन ने चार और सिरमौर, शिमला, चंबा तथा कुल्लू के एक-एक विद्यार्थी मेरिट सूची में स्थान बनाने में सफल रहे। वाणिज्य संकाय में 36 स्थानों में से कांगड़ा ने 15, ऊना ने 12 और सोलन ने चार स्थान प्राप्त किए। हमीरपुर ने दो, जबकि शिमला, मंडी और कुल्लू के 1-1 विद्यार्थी मेरिट में स्थान बनाने में सफल रहे। कला संकाय में 36 स्थानों में मंडी ने आठ, कांगड़ा ने छह और चंबा ने चार स्थान प्राप्त किए। सिरमौर, ऊना, शिमला, हमीरपुर और कुल्लू के 3-3, बिलासपुर के दो और सोलन के एक विद्यार्थी मेरिट में स्थान बनाने में सफल रहे हैं।

पिछले साल जमा दो का परीक्षा परिणाम 83.16 प्रतिशत था, जबकि इस बार 92.02 प्रतिशत रहा। इस बार 8.86 प्रतिशत परिणाम बढ़ा है। वर्ष 2024 में परीक्षा परिणाम 74.5 प्रतिशत था।

विज्ञान संकाय में द न्यू ईरा स्कूल आफ साइंसिज छतड़ी की शायला कश्यप ने पहला, गुरुकुल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल पक्का परोह अम्ब की संचिता धीमान व आर्यन पब्लिक स्कूल झंडी हमीरपुर के काशी शर्मा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। सनराइज पब्लिक स्कूल बरुणा सोलन की तमन्ना शर्मा, एवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल पाहड़ा के नितिन कुमार व एसडी पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल संतोषगढ़ की वैशाली ठाकुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में सेंट डीआर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल गगरेट की यशस्विनी चौहान, सेंट डीआर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल गगरेट की कृषिका व एवीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल पाहड़ा के अयान ने प्रथम स्थान हासिल किया।

सीनियर सेकेंडरी स्कूल (छात्रा) नगरोटा बगवां की अंजलि, इसी स्कूल की मुस्कान और शिवालिक साइंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खरुणी सोलन की जाह्नवी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर सेकेंडरी स्कूल मलहाड़ी की अक्षिमा पठानिया, पीएम माडल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला घुंघला की मुस्कान ठाकुर व सीनियर सेकेंडरी स्कूल मलहाड़ी की रिधिमा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कला संकाय में पीएमश्री सीनियर सेकेंडरी स्कूल भवारना के अंशित कुमार ने पहला, सीनियर सेकेंडरी स्कूल कांगर धरयार की आरुषि ने दूसरा और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दाड़ी की शाम्या बड़जात्या ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

संबंधित समाचार » पेज 4 व जागरण सिटी पर

92.02 प्रतिशत रहा जमा दो का परीक्षा परिणाम, पिछले वर्ष के मुकाबले 8.86 प्रतिशत बढ़ा

76 विद्यार्थी आए ओवरआल मेरिट सूची में, इनमें 60 हैं बेटियां

42 स्थानों पर सरकारी स्कूलों का दबदबा, 34 पर निजी स्कूलों को करना पड़ा संतोष

81,109 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, 74637 पास व 3071 की आई कंपार्टमेंट

वाणिज्य संकाय के टापर रहे मेधावी

यशस्विनी चौहान।

कृषिका।

अयान।

मुख्यमंत्री ने दी बधाई, कहा-परिश्रम और पढ़ाई के प्रति समर्पण का परिणाम

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने 12वीं कक्षा की परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को बधाई दी है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम और पढ़ाई के प्रति समर्पण का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, शिक्षकों और शुभचिंतकों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने उनकी शैक्षणिक यात्रा के दौरान उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया।

सुखविन्द्र सुक्खू • जागरण आर्काइव

उन्होंने युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता का कोई छोटा मार्ग नहीं होता और इसे केवल अटूट समर्पण, ईमानदारी और निष्ठा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

पुनर्मूल्यांकन व पुनर्निरीक्षण के लिए 19 तक करें आवेदन

उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन करवाने के इच्छुक विद्यार्थियों को संबंधित पाठशाला के माध्यम से केवल आनलाइन ही बोर्ड की वेबसाइट पर 19 मई तक आवेदन करना होगा। पुनर्मूल्यांकन के लिए एक हजार रुपये व पुनर्निरीक्षण के लिए 800 रुपये प्रति विषय की दर से चुकाने होंगे। पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने के लिए संबंधित विषय में कम से कम 20 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड का भवन • आर्काइव

आर्ट्स में अंशित, साइंस में शायला और कॉमर्स में यशस्विनी, कृषिका, और अयान रहे अव्वल

आर्ट्स (496)

अंशित कुमार, पीएमश्री सी.सै. स्कूल भवारना, कांगड़ा

साइंस (495)

शायला, द न्यू ईरा स्कूल ऑफ साईंस, छतरी, कांगड़ा

कॉमर्स (491)

यशस्विनी चौहान, सेंट डीआर सी.सै. स्कूल गगरेट, ऊना

कॉमर्स (491)

कृषिका, सेंट डीआर सी.सै. स्कूल गगरेट, ऊना

कॉमर्स (491)

अयान, एवीएम सी.सै. स्कूल पाहरा, कांगड़ा

ऑल ओवर मैरिट में आर्ट्स संकाय के भवारना (कांगड़ा) निवासी अंशित कुमार ने 500 में से 496 अंक लेकर पूरे प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। साइंस स्ट्रीम में शाहपुर की शायला कश्यप 495 अंकों के साथ प्रथम रहीं, जबकि संचिता धीमान और काशी शर्मा ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया। कॉमर्स संकाय में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां यशस्विनी चौहान, कृषिका और अयान ने 491 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से प्रदेश भर में टॉप किया है। आर्ट्स में अंशिता के बाद आरुषि ठाकुर और शाम्भ्या बड़जात्या क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

प्रदेश शिक्षा बोर्ड 12वीं (तीनों संकाय) का रिजल्ट घोषित, टॉप 10 में बेटियां रहीं आगे

परीक्षा परिणाम 92.02%, कांगड़ा के अंशित कुमार 496 अंक लेकर रहे ओवरऑल टॉपर

भास्कर न्यूज़ | धर्मशाला

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने सोमवार को जमा दो की वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। बोर्ड ने इस बार भी परंपरा को बरकरार रखते हुए आर्ट्स, साइंस और कॉमर्स तीनों संकायों का रिजल्ट एक साथ जारी किया। इस साल परीक्षा परिणाम 92.02 प्रतिशत रहा है, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 9% अधिक है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि इस बार परीक्षा के लिए पंजीकृत 81,417 विद्यार्थियों में से 81,109 ने परीक्षा दी थी, जिनमें से 74,637 परीक्षार्थी पास हुए हैं। 3,352 विद्यार्थी फेल हुए हैं, जबकि 3,071 छात्रों की कंपार्टमेंट आई है। परिणाम घोषित होने के साथ ही प्रदेश के मेधावियों की सूची भी जारी कर दी गई है, जिसमें बेटियों का एकाधिकार देखने को मिला है। ▪ शेष पेज 5 पर

अंशित की सिविल सर्विसेज में जाने की इच्छा, यशस्विनी का बनना चाहती है सीए

कला संकाय प्रथम आने वाले अंशित कुमार सिविल सर्विसेज में जाना चाहते हैं। अंशित के पिता व्यवसायी हैं और माता गृहिणी हैं। कॉमर्स संकाय में टॉपर अंब की गार्डन कॉलोनी की यशस्विनी चौहान की इस उपलब्धि पर पिता नीरज,माता अंजना रानी, बहन अराध्या चौहान व भाई सार्थक चौहान ने उसका मुंह मीठा करवाया। यशस्विनी आगे चलकर सीए बनना चाहती है। मुस्कान ने अपनी सफलता साझा करते हुए बताया कि वह बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहती हैं। एक कुशल बैंकर बनकर देश की वित्तीय व्यवस्था में योगदान देना उनका मुख्य लक्ष्य है।

बोर्ड मेधावियों और संघर्ष में उनका साथ देने वाले अभिभावकों को करेगा सम्मानितः डॉ. राजेश शर्मा

बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा ने व्यक्तिगत रूप से मेरिट लिस्ट में आए प्रदेश के टॉपर्स को फोन किया। उन्होंने न केवल छात्रों को उनकी शानदार सफलता की बधाई दी, बल्कि एक मार्गदर्शक के रूप में उनके भविष्य के लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा भी की। चेयरमैन ने घोषणा करते हुए बताया कि बोर्ड जल्द ही एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन करेगा, जिसमें न केवल इन मेधावी छात्रों को बल्कि उनके संघर्षों में साथ देने वाले अभिभावकों को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि यदि भविष्य में करियर को लेकर उन्हें किसी भी प्रकार की गाइडलाइन या परामर्श की आवश्यकता हो, तो वे बिना किसी झिझक के कभी भी बोर्ड कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

पुनर्मूल्यांकन के लिए 19 मई तक करें आवेदन

शिक्षा बोर्ड ने परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही छात्रों के लिए डिजीलॉकर पर प्रोविजनल मार्कलिस्ट की सुविधा भी प्रदान की है। जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे 19 मई तक पुनर्मूल्यांकन और पुनर्निरीक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पुनर्मूल्यांकन शुल्क 1000 रुपए और पुनर्निरीक्षण शुल्क 800 रुपये तय किया गया है।

दैनिक जागो WORLD
मंगलवार,05,मई,2026
8
www.dainikjagoworld.com
Himachal Pradesh Board of School Education
Dharamshala, Himachal Pradesh

हिमाचल प्रदेश परिणाम -2026

हिमाचल बोर्ड में बेटियों का 'महा-विजय': टॉप-6 रैंक पर केवल लड़कियों का कब्ज़ा, 92% रहा कुल रिजल्ट!

बोर्ड अध्यक्ष का आधिकारिक बयान

धर्मशाला बोर्ड प्लस टू परीक्षा परिणाम 2026: 92% सफलता

डॉ. राजेश शर्मा

- **कुल सफलता दर: 92.02%**
  - कुल परीक्षार्थी: 81,417
  - उत्तीर्ण: 74,637
  - अनुपस्थित: 308
- **वर्गवार परिणाम:**
  - सामान्य वर्ग: 40,462 में से 37,576 पास
  - अनुसूचित जाति: 22,186 में से 20,095 पास
  - अनुसूचित जनजाति: 5,023 में से 4,520 पास
  - अन्य पिछड़ा वर्ग: 13,438 में से 12,446 पास
- **लैंगिक प्रदर्शन:**
  - लड़कियाँ: 40,281 में से 37,749 पास
  - लड़के: 40,828 में से 36,888 पास

पारदर्शिता और तकनीक का उपयोग: डॉ. शर्मा ने बताया कि बोर्ड ने इस बार परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए लाइव मॉनिटरिंग (Live Monitoring) की शुरुआत की थी। उन्होंने खुद कई परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया और तकनीकी निगरानी के कारण नकल के मामलों में भारी कमी आई है।

बेटियों की सराहना: उन्होंने टॉप-6 रैंक तक छात्राओं के दबदबे की सराहना करते हुए कहा कि हिमाचल की बेटियां शिक्षा के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। मेरिट सूची में शीर्ष स्थान पाने वाले 41 मेधावियों में से 30 छात्राएं शामिल हैं।

तेजी से मूल्यांकन: अध्यक्ष ने इस बात पर गर्व जताया कि बोर्ड ने समयबद्ध तरीके से मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने कहा कि समय पर परिणाम घोषित होने से छात्रों को NEET और JEE जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा के प्रवेश के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

परिणाम में सुधार: उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष का कुल पास प्रतिशत 92.02% रहा है, जो राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

भविष्य के लिए संदेश: डॉ. शर्मा ने सफल छात्रों को बधाई दी और जो छात्र असफल रहे या जिनकी कंपार्टमेंट आई है, उन्हें निराश न होने की सलाह देते हुए आगामी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रोत्साहित किया।

शिक्षा मंत्री का आधिकारिक बयान

> आज हमारी बेटियों ने जो कर दिखाया है, वह पूरे हिमाचल के लिए गौरव का विषय है। पहले छह स्थानों पर लड़कियों का होना यह बताता है कि प्रदेश की आधी आबादी अब भविष्य की कमान संभालने को तैयार है।
>
> — रोहित ठाकुर, शिक्षा मंत्री

1. ग्रामीण और सरकारी स्कूलों के प्रदर्शन पर खुशीशिक्षा मंत्री ने विशेष रूप से दूरदराज के ग्रामीण इलाकों और सरकारी स्कूलों के छात्रों के प्रदर्शन को सराहा। उन्होंने कहा कि संसाधन कम होने के बावजूद इन बच्चों ने मेरिट सूची में जगह बनाई है, जो यह दर्शाता है कि हिमाचल की प्रतिभा किसी भी चुनौती से लड़ने के लिए सक्षम है।

2. 'समयबद्ध रिजल्ट' से प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभरोहित ठाकुर ने इस बात पर जोर दिया कि बोर्ड ने मई के पहले सप्ताह में रिजल्ट घोषित कर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा, "अब हिमाचल के छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय (DU), अन्य बड़े कॉलेजों और प्रतियोगी परीक्षाओं (NEET, JEE, CUET) के दाखिले के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। समय पर रिजल्ट का मतलब है छात्रों का समय और ऊर्जा बचाना।"

3. शिक्षकों और विभाग की पीठ थपथपाईशिक्षा मंत्री ने शिक्षा सचिव, बोर्ड अध्यक्ष और उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले हजारों शिक्षकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बिना किसी बड़ी शिकायत या त्रुटि के रिकॉर्ड समय में 81,109 छात्रों का डाटा प्रोसेस करना एक बड़ी उपलब्धि है।

4. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धताउन्होंने कहा कि 92% का पास प्रतिशत संतोषजनक है, लेकिन सरकार का लक्ष्य केवल 'पास' होना नहीं बल्कि 'क्वालिटी एजुकेशन' देना है। आने वाले समय में सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लासेस और तकनीकी शिक्षा पर और अधिक ध्यान दिया जाएगा ताकि छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

5. असफल छात्रों के लिए सांत्वना और हौसलाशिक्षा मंत्री ने उन छात्रों को एक भावुक संदेश दिया जो असफल रहे हैं। उन्होंने कहा, "एक परीक्षा परिणाम आपका भविष्य तय नहीं कर सकता। जिनकी कंपार्टमेंट आई है, विभाग उनके लिए जल्द से जल्द परीक्षा आयोजित करेगा ताकि उनका साल बर्बाद न हो।"

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) ने आज 12वीं कक्षा के तीनों संकायों (कला, विज्ञान और वाणिज्य) का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है, जिसमें एक बार फिर प्रदेश की बेटियों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है इस वर्ष के नतीजों में लड़कियों ने न केवल लड़कों को पछाड़ा है, बल्कि मेरिट सूची के पहले छह स्थानों पर पूरी तरह से अपना दबदबा कायम किया है। बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल कुल 92.0 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल रहे हैं, जो पिछले वर्षों के मुकाबले शिक्षा के स्तर में आए सुधार को दर्शाता है। जहाँ सफल होने वाले हजारों छात्रों के घरों में जश्न का माहौल है, वहीं मेरिट लिस्ट में बेटियों के 'क्लीन स्वीप' ने एक बार फिर "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" के संकल्प को धरातल पर सच साबित कर दिया है।

जागो ! धर्मशाला: राकेश कुमार

[illegible]

HIMACHAL'S POWERHOUSE: GIRLS LEAVE BOYS IN THE DUST WITH 93.7% PASS RATE

MAY 4, 2026 MONDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

THE BIG LEAP: HP CLASS 12 RESULTS: SUCCESS RATE SOARS TO RECORD 92%

Sunny Mahajan | Dharamshala

The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) officially released the results for the Class 12 (Plus Two) March 2026 annual examinations today. The state has recorded a historic overall pass percentage of 92.02%, marking a significant improvement over the previous years.

According to the official data, a total of 81,109 students appeared for the exams, out of which 74,637 students successfully qualified. The analysis highlights a continued trend of female students outperforming their male counterparts, with girls achieving a pass rate of 93.71% compared to 90.35% for boys. Category-wise data shows steady performance across all groups, with the General category leading at a 92.86% success rate.

The merit list was dominated by students from government institutions, particularly in the Arts stream. Anshit Kumar, a student from PM Shri Government Senior Secondary School, Bhawarna, emerged as the overall state topper with a near-perfect score of 496 out of 500 (99.2%). In the Science stream, Shayla Kashyap secured the top spot with 99%, while the Commerce stream saw a three-way tie for the first position between Yashsvani Chauhan, Krishika, and Ayan, all scoring 98.2%.

This year's result shows a remarkable recovery in academic performance within the state. The pass percentage has climbed steadily from 74.5% in 2024 and 83.16% in 2025 to reach the current 92.02%. Board officials credited the improved results to better academic support and the dedication of both students and teachers across the state's 12 districts.